|| Narayan Narayan ||

4

NARAYAN REIKI SATSANG PARIVAR

PEACE
LOVE
RESPECT
FAITH
CARE
HEALTH
WEALTH
SUCCESS
HAPPINESS

IN GIVING WE BELIEVE

समृद्धि साधना के 56 सूत्र

नारायण रेकी सतसंग परिवार

एक सामाजिक संस्था है, जिसका उद्देश्य है हर इंसान तन, मन, धन, संबंधों से स्वस्थ हो, हर घर में सुख, शांति, समृद्धि हो,
हर व्यक्ति उन्नति, प्रगति, सफलता प्राप्त करे और सतयुग की पुन:स्थापना हो। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए **श्रीमती राजेश्वरी जी मोदी 'राज दीदी'** की विभिन्न वार्ताएं, प्रत्येक बुधवार और प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को सतसंग का आयोजन किया जाता है।
इसके साथ ही नारायण रेकी, करूणा रेकी, वरदान रेकी, प्रशिक्षक बच्चों के लिए फाउंडेशन टू सक्सेस और युवाओं के लिए
लीडिंग अ मीनिंगफुल लाइफ कोर्स का आयोजन किया जाता है।
इसके अतिरिक्त हमारी मासिक पत्रिका **सतयुग** जन जन में सकारात्मकता फैलाने का कार्य कर रही है।

नारायण प्रार्थना

आँख खुलते ही दाएँ हाथ से बाएँ हाथ की कलाई को पकड़कर यह प्रार्थना कहें,

'हे नारायण आपका धन्यवाद है, आप हर पल हर क्षण हमारे साथ हैं इसलिये आज का दिन हमारे जीवन का सर्वोत्तम दिन है, सर्वश्रेष्ठ दिन है, प्यार, आदर, सम्मान, प्रशंसा व जैकपॉट से भरा हुआ।

हमारे भीतर असीम शक्ति है, असीम शांति है, असीम शांति है, असीम शांति है और हमारे पास प्रचुर मात्रा में धन है जिसका हम सदुपयोग करते हैं।

हमारे संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति, वस्तु, जगह, परिस्थिति, वातावरण, समय, धन, मौसम, यातायात, जन्म

कुंडली, प्रकृति, ब्रह्मांड और संपूर्ण कायनात सभी कुछ हमारे अनुकूल है । हम कृपाशाली हैं, हम भाग्यशाली हैं, हम पर नारायण की असीम कृपा है, असीम कृपा है, असीम कृपा है।

हे नारायण आपके आशीर्वाद से हमारा घर सुख, शांति, समृद्धि से भरा हुआ है और पूरी तरह सुरक्षित है।

हम जीवन के हर क्षेत्र में सफल हैं, सफल हैं, सफल हैं।

हम विचार, वाणी व व्यवहार से सकारात्मक हैं, सकारात्मक हैं, सकारात्मक हैं।

हम सदैव सत्य बोलते हैं व सही मार्ग पर ही चलते हैं ।

हे नारायण आपका धन्यवाद है जीवन

के सातों सुख देने के लिए।

हे नारायण आपका धन्यवाद है आजीवन स्वस्थ रहने का वरदान देने के लिए, इसलिए हम पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं , स्वस्थ हैं, स्वस्थ हैं। हमारा चित्त शान्त व प्रसन्न है।

हे नारायण आपका धन्यवाद है आपके आशीर्वाद से हमारे आपसी सम्बन्ध प्रेम और विश्वास से परिपूर्ण हैं। हम ख़ुश और संतुष्ट हैं। हम हर व्यक्ति में नारायण का रूप देखते हैं।

हे नारायण आपके आशीर्वाद से हम सप्त सितारा जीवन जी रहे हैं और हमारा यह गोल्डन पीरियड चल रहा है और आपके आशीर्वाद से आजीवन चलता ही रहेगा ऐसा हमारा प्रबल विश्वास है।

शांति कलश ध्यान

अपने क्राऊन चक्र पर सुंदर सुनहरा
शांति से भरा कलश
विजुलाइज करें।
फिर यह मन्त्र दोहराएं -
'हे नारायण आपका धन्यवाद है,
हमारे भीतर
असीम शांति है,
असीम शांति है,
असीम शांति है।'

यह मन्त्र १४ बार दोहराएं।

समृद्धि प्रार्थना

हर व्यक्ति एक समृद्ध
जीवन जीना चाहता है ।
समृद्ध जीवन का तात्पर्य धन
के साथ- साथ विचार,
वाणी और व्यवहार से भी
धनवान (सकारात्मक और
सर्वश्रेष्ठ) होना है । धन प्राप्ति
के लिए शुद्ध आचरण और
शुद्ध विचार का होना अति
आवश्यक है ।

शास्त्रों में ५६ के अंक को शुभ और भाग्यशाली माना गया है (५६ भोग, ५६ प्रकार के सुख, ५६ करोड़ का भात भगवान श्री कृष्ण ने नानी बाई की बेटी की शादी में भरा) ५६ के अंक का इतना शुभकारी होने के कारण हम समृद्धि के लिए राम राम ५६ करते हैं।

समृद्धि साधना करते
समय अपनी इच्छा को
बोलें और राम-राम ५६
मनका २१ बार करें।
यदि हर राम-राम ५६ से
पहले अपनी इच्छा बोलें
तो उत्तम है।
ऐसा नवरात्रि में करें या
कभी भी ४० दिन तक
कर सकते हैं।

तिजोरी ध्यान प्रक्रिया में तिजोरी या अपने धन रखने के स्थान में चलन में होने वाले सभी नोटों और सिक्कों को विजुलाइज करें । तिजोरी से बातचीत करते हुए कहें, 'आप मेरे लिए बहुत भाग्यशाली हैं आप में रखे धन की निरंतर बढ़ोत्तरी होती जाती है'। तिजोरी में रखे धन से प्रार्थना करें कि जब भी आप यहाँ से बाहर जाएं जिसके भी पास जाएं उसको बरकत बढ़ोत्तरी देकर वापस मल्टीपल होकर हमारे पास वापस आ जाएं । नोटों से कहें आई लव यू, आई लाइक यू, आई रेस्पेक्ट यू, नारायण ब्लेस यू।

सूत्र-१

धन के लिए श्रेष्ठ
विचार रखें। सदैव
सर्वोत्तम तरीके से धन
कमाने का विचार करें।
व्यवसाय का चुनाव
करते समय ध्यान रखें
कि अर्जित धन दूसरों के
आशीर्वादों से भरा हो।
अर्थात आपका
व्यवसाय लोक
कल्याणकारी हो।

सूत्र-२

प्रतिदिन सुबह उठकर
विश्वासपूर्वक यह विचार
करें कि आज लक्ष्मी आने
वाली है। आपके विचारों
की प्रतिध्वनि ब्रहमाण्ड तक
पहुंचकर लक्ष्मी को आपके
पास ले आती है।

सूत्र-३

सूर्य किरण ध्यान करें।
घर में जहाँ सूर्य किरणें आती हैं
वहाँ कुछ समय (५ से १०
मिनट) बैठें। यह विजुलाइज
करें कि जिस तरह सूर्य की
किरणें दुनिया को रोशन कर
रही हैं, उसी अनुपात में मेरे
जीवन में समृद्धि बरस रही है।

सूत्र-४

धन की शुरुआत
मस्तिष्क से होती है ।
दौलत विचारों में है ।
सदैव श्रेष्ठ तरीके से धन
कमाने का विचार करें ।

सूत्र-५

आपका अर्जित धन आपको धनवान नहीं बनाता आपके द्वारा धन का सदुपयोग आपको धनवान बनाता है। इसलिए धन का सदुपयोग करें।

सूत्र-६

अपनी फैक्ट्री, आफिस और कार्यस्थल की दीवारों से, मशीनों से, कर्मचारियों से कहें, आई लव यू,आई लाइक यू, आई रेस्पेक्ट यू, आप मेरे लिए भाग्यशाली हैं। फिर देखें कैसे समृद्धि आपकी ओर खींची चली आती है।

सूत्र-७

माँ लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए विनम्र और शांत बनें और जीवन को बहुतायत से भर लें।

सूत्र-८

इच्छापूर्ति डायरी में प्रतिदिन
लिखें, 'हमारा घर खुशी,
शांति और समृद्धि से भरा
हुआ है'।

सूत्र-९

भौतिक लक्ष्मी (धन) की प्राप्ति के लिए घर में मौजूद लक्ष्मी (माँ, बहन, बेटी) को मान, सम्मान, समानता और आगे बढ़ने के अवसर दें। घर की लक्ष्मी के मुस्कुराते ही दरवाजे के बाहर खड़ी लक्ष्मी (धन) का गृह प्रवेश हो जाता है।

सूत्र-१०

धन के पीछे न भागें। धन कमाते समय इतनी ईमानदारी बरतें, इतनी मेहनत करें कि धन आपके पीछे-पीछे स्वयं चला आए।

सूत्र-११

ईश्वर ने हर व्यक्ति के
एकाउंट में ८६,४००
सेंकडस् रूपी धन समान
मात्रा में दिया है। इसके
सदुपयोग से ही समृद्धि
संभव है। सदैव समय का
सदुपयोग करें।

सूत्र-१२

धन कमाते समय यदि यह
भाव है कि इसका उपयोग
खुशियाँ बाँटने के लिए
होगा तो प्रसन्न होकर
लक्ष्मी स्वयं आपके पास
खिंची चली आती है।

सूत्र-१३

धन कमाना जितना जरूरी है उसको भविष्य के लिए संचित और सुरक्षित रखना उससे भी ज्यादा जरूरी है।

सूत्र-१४

कमाया हुआ पैसा आपको धनी बनाता है, पर दान देने से किसी के चेहरे पर आई मुस्कान आपको धनवान बनाती है।

सूत्र-१५

स्वास्थ्य और समृद्धि सगी बहनें हैं। एक अस्वस्थ तो दूसरी भी अस्वस्थ। अतः स्वस्थ रहें, समृद्ध रहें।

सूत्र-१६

आपका अवचेतन मन सोते समय, सोने से पहले सोचे गए अंतिम विचार पर कार्य करता है और आप जीवन में उस विचार को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं। रात को सोने से पहले ७ बार गहरी सांस लें। यह विजुलाइज करें कि आपका व्यापार बढ़ रहा है, घर में समृद्धि की वर्षा हो रही है। ऐसा विचार करते हुए ही सोएं।

सूत्र-१७

दिन भर में जितनी बार हो सके दोहराएं, 'हमारे पास प्रचूर मात्रा में धन है' और जीवन में प्रचूरता पाएं।

सूत्र-१८

धन कमाने के लिए वह करिए जो आपके मन का हो तो आपके पास धन स्वयं चलकर आएगा। अर्थात अपने पैशन (passion) को अपना पेशा (profession) बनाएं ।

सूत्र-१९

पैसा तभी बेहतरीन है
जब वह कड़ी मेहनत
और ईमानदारी से
कमाया हुआ हो ।

सूत्र-२०

मुस्कराएं क्योंकि
आप मुस्कराते हैं तो
आपका भाग्य
मुस्कराता है,
आपका गल्ला
मुस्कराता है ।

सूत्र-२१

पैसे को सदैव दिल में
जगह दीजिए ताकि
आप उसका सदुपयोग
कर सकें।
जब भी किसी को धन
दें, बरकत और बढ़ोत्तरी
के आशीर्वाद से ब्लेस
करके दें।

सूत्र-२२

धन का उपभोग भी
करें और उपयोग भी ।
यानी जरूरतें पूरी भी
करें और यथासंभव
बचत भी करें ।

सूत्र-२३

बचत करते समय
अपनी जरूरतों को
पूरा करने में
कंजूसी न बरतें ।

सूत्र-२४

धन का उपयोग और उपभोग करते समय प्रसन्नता के भाव रखें।

सूत्र-२५

कमाओ जितना भी
कमा सकते हो।
बचाओ जितना भी
बचा सकते हो, दान दो
जितना भी दे सकते हो।

सूत्र-२६

देने का विचार तो
करो देखो कैसे धन
आपकी ओर खिंचा
चला आता है ।

सूत्र-२७

यदि समृद्ध होना चाहते हैं तो EGO अहम् का त्याग करें।

EGO स्वयं कहता है - everything goes If I Enter

सूत्र-२८

**खुद को धनवान मानना
और धनवानों वाला
जीवन जीते हुए
विजुलाएज करें। आप
देखेंगे कि आपके विचारों
ने आपको सचमुच
धनवान बना दिया है।**

सूत्र-२९

सब्जी वाला, रिक्शा
वाला, होम डिलीवरी
वाले सेवकों को बिल से
अधिक भुगतान करें।
उनके मुख से निकली
दुवाएं आपको समृद्धि की
ओर ले जाती हैं।

सूत्र-३०

धन के प्रति आभार के भाव रखें, प्रति दिन जीवन को सरल, बनाने के लिए धन को धन्यवाद दें।

सूत्र-३१

समृद्धि का तात्पर्य धन कमाना ही नहीं बल्कि धन से प्राप्त चीजों की सही देखभाल और उचित उपयोग भी है।

सूत्र-३२

व्यवहार में हाथों की
साधना को अपनाएं।
चीजों को यथा स्थान रखें।
बर्तन धोते समय धीमे से
बर्तनों को रखें।

सूत्र-३३

चीजों को बिना आवाज के और सहेजकर प्यार से रखें ।

सूत्र-३४

बिजली, पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की बचत करें।

सूत्र-३५

जरूरत न होने पर पंखे और लाइट व नल को बंद रखें।

सूत्र-३६

जो माध्यम (टी.वी, इंटरनेट, व्हाट्सएप्प, फेसबुक) आपके भीतर नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं, उनसे दूर रहें। हमारा सदैव सकारात्मक रहना समृद्धि को हमारी ओर आकर्षित करता है।

सूत्र-३७

धनवान व्यक्ति से ईर्ष्या, द्वेष न करें। उन्हें आदर की दृष्टि से देखें। धनी व्यक्तियों के लिए आदर का भाव आपके जीवन में भी धन को आकर्षित करेगा।

सूत्र-३८

एक १० रूपये के नोट के
साथ प्रतिदिन तिजोरी
ध्यान प्रक्रिया करें और उस
नोट को एनारजाइज करके
तिजोरी में रखें ।
आवश्यकता होने पर इस
मुद्रा का उपयोग भी कर
सकते हैं ।

सूत्र-३९

जब आप दूसरों की समृद्धि के
लिए प्रार्थना करते हैं तो उनके
लिए की गई प्रार्थनाएं आपके
खाते में जमा होती जाती हैं
और आप स्वतः ही समृद्धि की
ओर बढ़ जाते हैं। अतः
जिनको समृद्धि की
आवश्यकता है उनके लिए
प्रार्थनाएँ करें।

सूत्र-४०

अर्जित धन का एक हिस्सा सेवा और दान के कार्यों में प्रयोग करें।

सूत्र-४१

यदि आप जीवन में
समृद्धि चाहते हैं तो धन
के प्रति आभार का भाव
रखें और हमेशा धन से
दूसरों की मदद करने व
देने का भाव रखें ।

सूत्र-४२

जीवन में समृद्धि (लक्ष्मी) लाने के लिए हमें पहले वाणी (सरस्वती) का सदुपयोग करना होगा। सदैव मीठे, मधुर और मध्यम सुर में बोलें।

सूत्र-४३

जब भी कोई आपसे कुछ ऐसा कहता है जो आपको अच्छा नहीं लगा तो बजाए उत्तेजित हो कर प्रतिक्रिया व्यक्त करने और सफाई पेश करने के शांत रहिए। शांत रहने से जो तरंगें बहती हैं वह आपके भाग्य को बदल कर आपको समृद्ध शाली बनाने की क्षमता रखती हैं।

सूत्र-४४

समृद्धशाली जीवन के लिए प्रतिदिन चरण छूकर माता पिता का आशीर्वाद लें और माता पिता बच्चों के सिर पर आशीर्वाद का हाथ रखकर राम- राम ५६ करें।

सूत्र-४५

स्वयं को माता पिता
के आगे पूर्ण समर्पित
कर दीजिए। माता
पिता के प्रति पूर्ण
समर्पण और सेवा,
धन आगमन के द्वार
खोलती है।

सूत्र-४६

संपत्ति के बँटवारे के
समय आपको माता
पिता से जो मिले उसे
आशीर्वाद समझ कर
प्रसन्नता से ले लें।
बुजुर्गों का आशीर्वाद
जीवन में समृद्धि के
जैकपॉट लाता है।

सूत्र-४७

हर किसी के साथ
प्यार, आदर,
सम्मान प्रशंसा का
आपका स्वभाव
समृद्धि को अपनी
ओर आकर्षित
करता है।

सूत्र-४८

बार- बार आपका यह
कहना कि यह हमारा
गोल्डन पीरियड चल रहा
है, समृद्धि को, धन को
आपकी ओर आकर्षित
करता है ।

सूत्र-४९

मौन की साधना
समृद्धि की साधना के
लिए आवश्यक है।
यदि कोई व्यक्ति
नकारात्मक व्यवहार
कर रहा है तो आप
ब्लेस हिम/हर करते
हुए यदि मौन रहते हैं
तो समृद्धि को
आसानी से प्राप्त कर
सकते हैं।

सूत्र-५०

दूसरों का ख्याल
रखने की आदत
डालें। यह आदत
जीवन में प्रचुरता के
दरवाजे खोलती है।

सूत्र-५१

समृद्धि का तात्पर्य धन के साथ- साथ स्वस्थ संबंधों से भी है। जब आपके आपसी सम्बन्ध स्वस्थ होते हैं तो मन प्रसन्न रहता है। प्रसन्न मन अपने कार्य को सर्वोत्तम तरीके से करता है और सर्वोत्तम तरीके से किया गया कार्य धन को लाने की गारंटी है।

सूत्र-५२

खर्चे के स्थान पर इन्वेस्टमेंट शब्द का प्रयोग करें। हम जिन शब्दों का उपयोग करते हैं, हमारा जीवन वैसा ही बनता जाता है।

सूत्र-५३

आई कैन अफोर्ड

जीवन में धन
संबंधित चीजों को
अपनी ओर
आकर्षित करता है ।

सूत्र-५४

जब भी किसी को
धन दें, बरकत और
बढ़ोत्तरी के
आशीर्वाद से
ब्लेस करके दें।

सूत्र-५५

समृद्धि की बहुतायत के लिए घर के बुजुर्गों की सेवा और सम्मान करें।

सूत्र-५६

समृद्धि के लिए मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं, पक्षियों की सेवा और भोजन पानी की उचित व्यवस्था करें।

॥ नारायण गीत ॥

नारायण-नारायण का उद्घोष जहाँ,
राम राम मधुर धुन वहाँ
सबको खुशियाँ देता अपरम्पार
जीवन में लाता सबके जो बहार
खोले, उन्नति, प्रगति, सफलता के द्वार
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा
नारायण रेकी सतसंग परिवार, सतसंग परिवार
हमारा एन.आर.एस.पी., प्यारा एन.आर.एस.पी,
न्यारा एन.आर.एस.पी.
प्यार, आदर, विश्वास बढ़ाता
रिश्तों को मज़बूत बनाता, मजबूत बनाता...
परोपकार का भाव जगाता
सच्चाई, नम्रता, सेवा में विश्वास बढ़ाता
सत को, करता अंगीकार
बनाता सतयुग सा संसार
वो है वो है हमारा
नारायण रेकी सतसंग परिवार, सतसंग परिवार
मुस्कान के राज बताता
तन, मन, धन से देना सिखलाता
हमको जीना सिखलाता
घर - घर प्रेम के दीप जलाता
मन, क्रम से जो हम देते
वही लौट कर आता, वही लौटकर आता
बनाता सतयुग से संसार
वो है - वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
एन.आर.एस.पी, एन.आर.एस.पी.

हमारे अन्य प्रकाशन

मासिक पत्रिका

सतयुग

हिंदी और अंग्रेजी सम्मिलित

नारायण शास्त्र के

अनमोल वचन

सप्त सितारा जीवन के सूत्र

सकारात्मक शब्दों की पुस्तिका

ट्रेजर बुक

नारायण रेकी सतसंग परिवार
संपर्क : 09820122502